लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1760

जिसका उत्तर बुधवार, 27 जुलाई, 2022 को दिया जाएगा

प्याज के लिए भंडारण सुविधाएं

1760. श्री असादुद्दीन ओवैसी:

क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या 2020-21 के दौरान देश में प्याज का औसत उत्पादन 156 लाख टन की खपत की तुलना में 269 मिलियन टन था;

(ख) यदि हां, तो क्या देश में प्याज का अधिक उत्पादन होने पर भी कई महीनों के दौरान प्याज की कीमतें बढ़ जाती हैं और सरकार को कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए प्याज का आयात करना पड़ता है;

(ग) क्या अनुचित भंडारण सुविधाओं के कारण प्रति वर्ष लगभग 1100 करोड़ की हानि होती है;

(घ) यदि हां, तो क्या उक्त मंत्रालय ने तकनीकी विश्वविद्यालयों सहित 100 से अधिक विश्वविद्यालयों को देश में प्याज के भंडारण में सुधार के अर्थोपायों का पता लगाने के लिए कहा है; और

(ड.) यदि हां, तो सरकार द्वारा देश में प्याज के भंडारण में नुकसान को कम करने के लिए इन विश्वविद्यालयों को नवीन विचारों और प्रक्रिया हेतु कौन-कौन सी सुविधाओं को प्रदान किए जाने की संभावना है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) से (ड.) : कृषि और किसान कल्याण विभाग के अनुसार वर्ष 2020-21 के दौरान प्याज का उत्पादन 266.41 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) था और बाजार आसूचना रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020-21 में प्याज की खपत 160.50 लाख मीट्रिक टन थी।

इसके नाशवान प्रकृति और रबी एवं खरीफ फसलों के बीच अंतर के कारण, सितंबर से दिसंबर तक कम उपलब्धता वाले महीनों के दौरान प्याज की कीमतें बढ़ जाती हैं। प्याज की कीमतों को स्थिर करने के लिए सरकार ने वर्ष 2021-22 में 2.0 लाख मीट्रिक टन और 2022-23 में 2.5 लाख मीट्रिक टन का बफर स्टॉक बनाए रखा। सरकार ने वर्ष 2021-22 और 2022-23 के दौरान प्याज का आयात नहीं किया है। प्याज के फसल उपरांत समग्र नुकसान नमी में कमी, फंगल संक्रमण, सड़न हानि, अंकुरण हानि इत्यादि जैसे कई कारकों के कारण होता है जिसे बेहतर भंडारण सुविधाओं के माध्यम से कम किया जा सकता है।

प्याज के उपज उपरांत नुकसान की समस्या को संबोधित करने के लिए, उपभोक्ता मामले विभाग ने वैज्ञानिक समुदाय, अनुसंधानकर्ताओं, स्टार्ट-अप हेतु प्याज के उपज उपरांत भंडारण के लिए उपायों के खोज और प्रोटोटाइप के विकास हेतु एक हैकथोन/ग्रैन्ड चैलेंज की शुरुआत की है। चैलेंज की चार शाखाएं हैं, नामत: भंडारण संरचनाओं के डिजाइन में सुधार, फसल-पूर्व चरण, प्राथमिक प्रसंस्करण और मूल्य स्थिरीकरण: मूल्य संवर्द्धन और प्याज अपशिष्ट का उपयोग। चुनौती तीन चरणों में चलाया गया। विचारों, प्रौद्योगिकी समाधानों का मूल्यांकन तीन चरणों, नामत: विचार सृजन से संकल्पना का प्रमाण चरण, संकल्पना का प्रमाण से उत्पाद चरण और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन – में होगा। कृषि विश्वविद्यालयों और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए चुनौती का प्रसार करने के अनुरोध के साथ चुनौती के बारे में सूचित किया गया है। विश्वविद्यालयों को अलग से सुविधाएं प्रदान करने का कोई प्रावधान नहीं है।

******